श्री महावीराय नमः

जय गुरु हीरा | श्री कुशलरत्नगजेन्द्रगणिभ्यो नमः | जय गुरु मान

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

रत्नम्

वर्ष-2, अंक-40 | 30 नवम्बर, 2019 | जोधपुर (राज.)

हिन्दी पाक्षिक | पृष्ठ-24 | मूल्य 5/- प्रति अंक

RNI No. RAJHIN/2015/66547

संयम की महिमा

वाणी और शरीर के दोषों को काबू कर लेने पर मानसिक दोष धीरे-धीरे नियंत्रण में आ सकते हैं। मन आखिर वाणी और शरीर के माध्यम से ही तो दौड़ लगाता है। यदि काया को वश में कर लेंगे तो मानसिक पाप स्वयं कम हो जाएंगे। कभी किसी के मन में गलत इरादा आया, किन्तु व्यवहार में वाणी से झूठ नहीं बोलने का संकल्प होने के कारण उच्चारण नहीं किया, व्रत में पक्का रहा तो वह मानसिक तरंग धीरे-धीरे विलीन हो जाएगी। इसीलिए बाहर के आचारों का नियंत्रण पहले करने की आवश्यकता बतलाई है।

साधक को भोजन उतना ही करना चाहिए जिससे संयम की साधना में बाधा न पहुँचे; आवश्यकता से अधिक भोजन किया जायेगा तो शरीर में गड़बड़ होगी, मन में अशान्ति होगी, प्रमाद आएगा और साधना यथावत् न हो सकेगी। स्वाध्याय और ध्यान के लिए चित्त को जिस एकाग्रता की आवश्यकता है, वह नहीं रह सकेगी।

-'नमो पुन्निमवरगंधहत्थीणं' से साभार

महामंत्री की कलम से

आदरणीय रत्नबन्धुवर,

सादर जय जिनेन्द्र !

देव, गुरु धर्म के पुण्य प्रताप से आप सपरिवार स्वस्थ एवं प्रसन्न होंगे।

चातुर्मास उपरान्त जिनशासन गौरव, परम श्रद्धेय आचार्यप्रवर 1008 श्री हीराचन्द्रजी म.सा., सरस व्याख्यानी, महान् अध्यवसायी श्रद्धेय श्री महेन्द्रमुनिजी म.सा. आदि ठाणा पाली से विहार कर मध्यान्तर क्षेत्रों को फरसते हुए पीपाड़ पधारेंगे, ऐसी संभावना है। परम पूज्य उपाध्यायप्रवर पण्डितरत्न श्री मानचन्द्रजी म.सा., मधुरव्याख्यानी श्रद्धेय श्री गौतममुनिजी म.सा. आदि ठाणा सामायिक-स्वाध्याय भवन, शक्तिनगर, जोधपुर में सुखसातापूर्वक विराजमान है। उपाध्यायप्रवर के विराजने से सूर्यनगरी वासियों को धर्माराधना का लाभ प्राप्त हो रहा है। साध्वीप्रमुखा विदुषी महासती श्री तेजकंवरजी म.सा. आदि ठाणा जयपुर के उपनगरों को फरसते हुए जिनशासन की प्रभावना कर रहे हैं। संत-सती मण्डल का विचरण विहार निरन्तर चल रहा है। सभी संत-सतीवृन्द विभिन्न क्षेत्रों को फरसते हुए श्रावक-श्राविकाओं को सामायिक-स्वाध्याय एवं धर्माराधना की प्रभावी प्रेरणा कर रहे हैं। जहाँ-जहाँ पर आचार्यप्रवर, उपाध्यायप्रवर, मुनिमण्डल एवं महासती मण्डल का विचरण विहार चल रहा है, उन क्षेत्रों में रहने वाले गुरुभ्राताओं से निवेदन है कि आप विचरण विहार के दौरान विहार सेवा का लाभ प्राप्त करें एवं महापुरुषों से आवश्यक मार्गदर्शन एवं प्रेरणा प्राप्त करावें। संघ एवं संघ की सहयोगी संस्थाओं द्वारा संचालित गतिविधियों में सक्रियता के साथ भाग लें, ऐसा विनम्र निवेदन है।

सामायिक-स्वाध्याय के प्रबल प्रेरक इतिहास मार्तण्ड, प्रातःस्मरणीय, परम पूज्य गुरुदेव श्री हस्तीमलजी म.सा. का 100 वां दीक्षा दिवस माघ शुक्ला 2, रविवार, 26 जनवरी, 2020 को उपस्थित हो रहा है। आचार्य हस्ती का दीक्षा शताब्दी वर्ष 26 जनवरी, 2020 से 13 फरवरी, 2021 तक चलेगा। इस पावन प्रसंग को सामायिक-स्वाध्याय, धर्माराधना, ज्ञानाराधना के साथ मनाने का सुअवसर रत्नसंघ को प्राप्त हो रहा है। साथ ही आचार्य हस्ती द्वारा प्रेरित श्री स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ, जोधपुर का हीरक जयन्ती वर्ष (75 वां) भी उपस्थित हो रहा है। संघ एवं संघ की सहयोगी संस्थाएँ शताब्दी वर्ष को मनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी कर रहे हैं, इस सम्बन्ध में आप सभी गुरु भ्राताओं से निवेदन है कि आप अपने सकारात्मक सुझाव संघ कार्यालय को प्रेषित करावें, जिससे दीक्षा शताब्दी वर्ष के कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप दिया जा सके। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत ज्ञानाराधना-दर्शनाराधना-चारित्राराधना-तपाराधना के साथ आध्यात्मिक कार्यक्रम रखने का लक्ष्य है।

आप-हम-सब संघ उन्नयन में सजगता एवं जागरुकता बनाये रखें, इसी मंगल मनीषा के साथ।

-धनपत सेठिया, राष्ट्रीय महामंत्री

विचरण विहार

(दिनांक 30.11.2019 की स्थिति)

☆ परमश्रद्धेय आचार्यप्रवर 1008 श्री हीराचन्द्र जी म.सा. आदि ठाणा 3 मण्डली दर्जियान गांव, जिला पाली में सुख-शान्तिपूर्वक विराजमान है। अग्रविहार पीपाड़ की ओर संभावित है।

☆ परमश्रद्धेय उपाध्यायप्रवर पं.रत्न श्री मानचन्द्र जी म.सा. आदि ठाणा 5 सामायिक-स्वाध्याय भवन, शक्तिनगर, जोधपुर में सुख-शान्तिपूर्वक विराजमान हैं।

☆ सेवाभावी श्रद्धेय श्री नन्दीषेणमुनिजी म.सा. आदि ठाणा 2 हिरणनगर सोसायटी, साबरमती, अहमदाबाद में सुखशान्तिपूर्वक विराज रहे हैं। अहमदाबाद के उपनगरों को फरसने की संभावना है।

☆ तत्त्वचिन्तक श्रद्धेय श्री प्रमोदमुनिजी म.सा. आदि ठाणा 4 नेहरूपार्क चातुर्मास उपरान्त पावटा, शक्तिनगर, समर्थनगर, शास्त्रीनगर, समन्वय नगर आदि क्षेत्रों को फरसते हुए दिग्विजयनगर पधारे हैं। अभी जोधपुर के उपनगरों को फरसने की संभावना है।

☆ श्रद्धेय श्री योगेशमुनिजी म.सा. आदि ठाणा 2 खामल गांव, जिला-पाली में सुखशान्ति-पूर्वक विराजमान है, अग्रविहार सोजत की ओर संभावित है।

☆ श्रद्धेय श्री मनीषमुनिजी म.सा. आदि ठाणा 2 बोचासण गाँव, गुजरात में सुखशान्ति- पूर्वक विराजमान है, अग्रविहार बड़ौदा की ओर संभावित है।

☆ श्रद्धेय श्री विनम्रमुनिजी म.सा. आदि ठाणा 3 झितड़ा गाँव, जिला-पाली में सुखशान्ति- पूर्वक विराजमान है, अग्रविहार पीपाड़सिटी की ओर संभावित है।

☆ श्रद्धेय श्री अशोकमुनिजी म.सा. आदि ठाणा 2 नेहरूपार्क चातुर्मास उपरान्त जोधपुर से विहार कर सालावास, कांकाणी, रोहट आदि मध्यवर्ती क्षेत्रों को फरसते हुए आचार्य भगवन्त की सेवा में पाली पधारे एवं अभी सामायिक-स्वाध्याय भवन, सुराणा मार्केट, पाली में सुखशान्ति- पूर्वक विराजमान हैं, अभी कुछ दिनों तक पाली विराजने की संभावना है।

☆ साध्वीप्रमुखा विदुषी महासती श्री तेजकंवरजी म.सा. आदि ठाणा 8 प्रतापनगर, जयपुर में सुखशान्तिपूर्वक विराजमान हैं। जयपुर के उपनगरों को फरसने की संभावना है।

☆ विदुषी महासती श्री सुशीलाकंवरजी म.सा. आदि ठाणा 12 आनासागर, लिंक रोड़, अजमेर में सुखशान्तिपूर्वक विराजमान हैं। अजमेर के उपनगरों को फरसने की संभावना है।

☆ विदुषी महासती श्री सौभाग्यवतीजी म.सा. आदि ठाणा 5 जैन स्थानक, निझर में सुखशान्तिपूर्वक विराजमान हैं। अग्रविहार शहादा की ओर संभावित है।

☆ व्याख्यात्री महासती श्री मनोहरकंवरजी म.सा.आदि ठाणा 3 जैन स्थानक, जालिया सैकण्ड गांव, जिला-अजमेर में सुखशान्तिपूर्वक विराज रहे हैं।

अग्रविहार विजय नगर की ओर संभावित है।

☆ व्याख्यात्री महासती श्री सोहनकंवरजी म.सा. आदि ठाणा 5 जैन स्थानक, खजवाना, जिला-नागौर में सुखशान्तिपूर्वक विराजमान हैं। अग्रविहार गोटन की ओर संभावित है।

☆ व्याख्यात्री महासती श्री चन्द्रकलाजी म.सा. आदि ठाणा 5 दिग्विजयनगर, जोधपुर में सुखशान्तिपूर्वक विराजमान हैं। जोधपुर के उपनगरों को फरसने की संभावना है।

☆ व्याख्यात्री महासती श्री इन्दुबालाजी म.सा. आदि ठाणा 5 मैलापुर, चेन्नई में सुख शान्तिपूर्वक विराजमान हैं। चेन्नई के उपनगरों को फरसने की संभावना है।

☆ व्याख्यात्री महासती श्री ज्ञानलताजी म.सा. आदि ठाणा 9 प्राज्ञ भवन, बापूनगर, जयपुर में सुख शान्तिपूर्वक विराजमान हैं। जयपुर के उपनगरों को फरसने की संभावना है।

☆ व्याख्यात्री महासती श्री चारित्रलताजी म.सा. आदि ठाणा 5 जैन स्थानक, दादावाड़ी, जलगांव में सुख शान्तिपूर्वक विराजमान हैं। जलगांव के उपनगरों को फरसने की संभावना है।

☆ व्याख्यात्री महासती श्री निःशल्यवतीजी म.सा. आदि ठाणा 5 जैन स्थानक, इलकल (कर्नाटक) में सुख शान्तिपूर्वक विराजमान हैं। अग्रविहार होसपेट की ओर संभावित है।

☆ व्याख्यात्री महासती श्री मुक्तिप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा 4 सूप गांव, जिला भरतपुर में सुख शान्तिपूर्वक विराजमान हैं। अग्रविहार हिण्डौनसिटी की ओर संभावित है।

☆ व्याख्यात्री महासती श्री सुमतिप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा 5 जैन स्थानक, सईदापेठ, चेन्नई में सुख शान्तिपूर्वक विराजमान हैं। चेन्नई के उपनगरों को फरसनें की संभावना है।

☆ सेवाभावी महासती श्री विमलेशप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा 3 चालीस गांव, जिला-जलगांव में सुख शान्तिपूर्वक विराजमान हैं। अग्रविहार जलगांव की ओर संभावित हैं।

☆ व्याख्यात्री महासती श्री रुचिताजी म.सा. आदि ठाणा 6 जैन मंदिर, पेठ कॉलोनी, धारवाड़ (कर्नाटक) में सुख शान्तिपूर्वक विराजमान हैं। अग्रविहार गदग की ओर संभावित है।

☆ व्याख्यात्री महासती श्री स्नेहलताजी म.सा. आदि ठाणा 3 महावीर नगर, जयपुर में सुख शान्तिपूर्वक विराजमान हैं। जयपुर के उपनगरों को फरसने की संभावना है।

☆ व्याख्यात्री महासती श्री पदमप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा 4 जैन स्थानक, मांडल, जिला-जलगांव में सुख शान्तिपूर्वक विराजमान हैं। अग्रविहार न्याहलोद की

ओर संभावित है।

☆ व्याख्यात्री महासती श्री निष्ठाप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा 3 लक्ष्मणगढ़, जिला अलवर में सुख शान्तिपूर्वक विराजमान हैं। अग्रविहार बड़ौदामेव की ओर संभावित है।

☆ व्याख्यात्री महासती श्री शिक्षाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा 4 मूसली फांटा, जिला-जलगांव (महा.) सुख शान्तिपूर्वक विराजमान हैं। अग्रविहार जलगांव की ओर संभावित है।

सभी संत-सती मण्डल के रत्नत्रय की साधना में सहायक स्वास्थ्य में समाधि है तथा विचरण विहार सुख-शांति पूर्वक चल रहा है।

परम पूज्य आचार्यप्रवर का विहार धर्मधरा पीपाड़ की ओर

संकल्प-विकल्प रहित, शांत-सानन्द दशा की पूर्णता की ओर सतत उन्मुख रहने वाले आगमज्ञ-प्रवचन प्रभाकर-ज्ञान सुधाकर, गुण रत्नाकर, सामायिक-शीलव्रत रात्रिभोजन त्याग-व्यसन मुक्ति के प्रबल प्रेरक, जिनशासन गौरव, परम श्रद्धेय आचार्य प्रवर पूज्य श्री 1008 श्री हीराचन्द्रजी म.सा., सरस व्याख्यानी, महान् अध्यवसायी, श्रद्धेय श्री महेन्द्रमुनिजी म.सा. आदि ठाणा 8 के पावन चातुर्मास में जिनशासन की प्रभावना का सुन्दर स्वरूप रहा, साथ ही संत-भगवन्तों के रत्नत्रय की साधना-आराधना में सहायक शरीर व स्वास्थ्य में समाधि रही, चतुर्विध संघ के लिये यह प्रमोद एवं संतोष का विषय है।

24 अक्टूबर को पाली शहर से टैगोर नगर संघ ने क्षेत्र फरसने की विनति परामाराध्य पूज्यप्रवर की सेवा में की। 25 अक्टूबर को सेलम संघ महासतियाँजी म.सा. के आगामी चातुर्मास की विनति लेकर संघनायक के चरणों में उपस्थित हुआ। भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण कल्याणक पर तेले तप आराधना की प्रेरणा महान् अध्यवसायी श्रद्धेय श्री महेन्द्रमुनिजी म.सा. ने की। फलस्वरूप कुछ श्रद्धालु भाई/बहिनों ने 26 अक्टूबर से तपस्या में चरण बढ़ाये। उत्तराध्ययन सूत्र की त्रिदिवसीय वाचना का प्रारम्भ आज के दिन से हुआ। श्रद्धेय श्री विनम्रमुनिजी म.सा. ने मूल के साथ अर्थ का सुन्दर विवेचन कर धर्मसभा को उत्तराध्ययन सूत्र के हार्द से साक्षात्कार करवाया। 27 को वरिष्ठ स्वाध्यायी, प्रबुद्ध चिंतक श्रावकरत्न श्री जशकरणजी डागा के स्वर्गवास पर टोंक-बूंदी-जयपुर से श्री मिलापचन्दजी, हेमन्तजी, देवेन्द्रजी, सुरेन्द्रजी डागा मांगलिक श्रवण करने परोपकारी पूज्य आचार्य भगवन्त की चरण सन्निधि में आये। 28 अक्टूबर को उत्तराध्ययन सूत्र का क्रमानुसार 36 वां अध्ययन समस्त संत- भगवन्तों व श्रावक-श्राविकाओं ने खड़े होकर वाचना का लाभ लिया। पाली निवासी श्री महावीरजी मेहता के स्वर्गवास पर समस्त परिजन पूज्य भगवन्त की सेवा में आये एवं मांगलिक श्रवण की। 29 अक्टूबर को बैंगलोर संघ महासतियाँजी म.सा. के आगामी चातुर्मास की भावना से कल्याणकारी गुरु भगवन्त की सेवा में आया। बालोतरा से सुश्रावक श्री गौतमचन्दजी सुपुत्र स्व. श्री हस्तीमलजी

गोलेच्छा के स्वर्गवास पर डॉ. (श्री) महावीरजी गोलेच्छा, जो मेडिकल अनुसंधान के क्षेत्र में वरिष्ठ वैज्ञानिक हैं ने परिवारजनों के साथ एवं महामंदिर जोधपुर से युवारत्न श्री रितेशजी भण्डारी दामाद के स्वर्गवास पर ससुराल पक्ष से श्री जतनराजजी, मीठूलालजी, उम्मेदराजजी लोढ़ा मांगलिक श्रवण करने करुणा सागर पूज्यवर्य की सेवा में आये। 31 अक्टूबर को अहमदाबाद से संघ उपकारी पूज्य गुरुदेव के द्वारा संतों के चातुर्मास का लाभ प्रदान करने के उपलक्ष्य में कृतज्ञता के भाव निवेदन करने आये।

01 नवम्बर को शासनसेवा समिति के सह-संयोजक श्री कैलाशचन्दजी हीरावत दर्शनों का लाभ लेने गीतार्थ पूज्य श्री की सेवा में आये। 02 नवम्बर को संघ शास्ता पूज्य गुरुदेव श्री हीराचन्द्रजी म.सा. के 57 वें दीक्षा-दिवस का पावन प्रसंग था। इस अवसर पर 100 के लगभग एकासन की आराधना, श्राविका मण्डल की कार्याध्यक्ष श्रीमती बीनाजी मेहता ने 9 दिवसीय तपस्या, सुश्रावक श्री महावीर प्रसादजी जैन-बनावड़ वालों ने पूज्य आचार्य भगवन्त के पावन मुखारविन्द से 31 दिवसीय मासक्षपणोपरान्त उग्र तपस्या के प्रत्याख्यान लेकर तपस्या का अर्घ्य पूज्य गुरुदेव के दीक्षा दिवस पर अर्पित किया। विरक्ता बहिन सुश्री दीपिकाजी मुणोत की जैन भागवती दीक्षा, संयम प्रदाता आचार्यप्रवर ने प्रतापनगर-जयपुर में माघ शुक्ला चतुर्थी सोमवार, 29 जनवरी, 2020 के लिये स्वीकृति फरमाई। इस प्रसंग पर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री प्रकाशचन्दजी टाटिया की उपस्थिति रही। मैसूर संघ की से ओर आगामी चातुर्मास के लिये प्रियधर्मी पूज्यपाद की सेवा में विनति रखी गई। दीक्षा-दिवस पर 70 से अधिक भाइयों ने पूज्य आचार्य भगवन्त की चरण सन्निधि में पौषध व संवर की आराधना कर श्रद्धाभक्ति का परिचय दिया।

03 नवम्बर को शासन सेवा समिति के संयोजक श्री रतनलालजी बाफना ने संघ शिरोमणि पूज्य गुरु भगवन् की पावन चरण सन्निधि में दर्शन व सेवा का लाभ लिया। भोपालगढ़ निवासी सुश्राविका श्रीमती सायरकंवरजी धर्मसहायिका स्व. श्री सूरजमलजी ओस्तवाल के स्वर्गवास पर जोधपुर से प्रसन्नचन्दजी, पुनवानचन्द जी, लीलमचन्दजी, शांतिलालजी ओस्तवाल आदि समस्त परिवारजनों के साथ आत्मलक्षी पूज्यप्रवर के पावन मुखारविन्द से मांगलिक श्रवण करने आये। 05 नवम्बर को पुण्यशाली पीपाड़ संघ चातुर्मास पश्चात् विहार फरमाकर क्षेत्र को फरसकर उपकृत करने व विराजने की पुरजोर विनति लेकर आराध्य पूज्य गुरुदेव की सेवा में उपस्थित हुआ। शासन सेवा समिति के सदस्य श्री गौतमराजजी सुराणा, चेन्नई ने पूज्य ज्ञान महोदधि की सन्निधि पाकर धन्यता का अनुभव किया। 06 नवम्बर को जवाहर नगर संघ, जयपुर दयानिधि पूज्य आचार्य भगवन् द्वारा चातुर्मास से उपकृत करने पर कृतज्ञता वाले भाव निवेदन करने आया। 07 नवम्बर को खेड़ली गंज संघ भी उपरोक्त भावना से पूज्यपाद पल्लीवालों के परमेश्वर की सेवा में उपस्थित हुआ। 08 नवम्बर से महिलाओं का पंच दिवसीय ज्ञानवृद्धि शिविर प्रातः प्रवचन पश्चात् से 12 बजे के मध्य तक के लिये प्रारम्भ हुआ। इसमें लगभग 60 महिलाओं की सहभागिता

प्रायः नियमित रही। औरंगाबाद संघ महाराष्ट्र में विचरणरत महासतियाँजी के लिए क्षेत्र में पधारने व विराजने की विनति लेकर अष्ट सम्पदा सम्पन्न पूज्य गुरुदेव की सन्निधि में आया। 09 नवम्बर को निमाज संघ की ओर से क्षेत्र को फरसने आने वाले प्रसंगों का लाभ प्रदान करने व स्वास्थ्य समाधि के साथ अधिक से अधिक समय तक विराजने के भाव भगवन् के चरणों में निवेदन किये। 10 नवम्बर को बारणी संघ, गोटन संघ, नाडसर संघ क्षेत्र में पधारकर कृपा का वर्षण करने की भावना से भक्त वत्सल पूज्यश्री के चरणों में आया। बारणी में व्याख्यात्री महासती श्री सोहनकंवरजी म.सा. आदि ठाणा के चातुर्मास में तपस्या का अच्छा ठाट लगा हुआ है। वहाँ आज 24 भाई-बहिन जो अधिकांश जैनेतर हैं, के तेले के तप की आराधना चल रही है। आज पाली में पूज्य गुरुदेव की चरण सन्निधि में आकर श्रीमती पूजाजी / बाबूलालजी भाटी ने 9 दिवसीय तपस्या के, 13 भाई / बहिनों ने तेले की तपस्या के तथा 2 बेले की तपस्या के प्रत्याख्यान पावन मुखारविन्द से अंगीकार किये। 11 नवम्बर को पूज्य गुरुदेव ने अनन्त कृपाकर विरक्ता बहिन सुश्री निमिषाजी लुणावत की भी जैन भागवती दीक्षा माघ शुक्ला चतुर्थी, सोमवार, 29 जनवरी, 2020 को महाराष्ट्र के खानदेश जलगांव के लिये फरमाकर अनुगृहीत किया। आज ही सेलम संघ महासतियाँजी के आगामी चातुर्मास की विनति लेकर सौम्य प्रशांत पूज्यप्रवर की सेवा में आया।

12 नवम्बर को चातुर्मास समापन का प्रसंग था। भक्तिमान भाई / बहिनों को श्रद्धा भक्ति वाले भाव प्रस्तुत करने का अवसर मिला। संचालन करते हुए संघमंत्री श्री रजनीशजी कर्नावट ने प्रभावी शैली में हृदयोद्गार में कहा कि इस युग के यशस्वी-मनस्वी-तपस्वी गुरु हस्ती की तरह आचार्य भगवन्त श्री हीराचन्द्रजी म.सा. ने भी दो-दो चातुर्मास पाली संघ को प्रदान किये। गुरुदेव के अतिशय से चातुर्मास में सभी कार्यक्रम सानन्द सम्पन्न हुए। गुरुदेव का यह उपकार सदैव स्मृति पटल पर रहेगा। अन्य वक्ताओं में सर्वश्री श्रीमती सुभद्राजी धारीवाल ने अंतरंग भावों से कहा-''भगवन् के दर्शन मात्र से ही शक्ति का संचार हो जाता है, ऐसे सुयोग का लाभ समूचे वर्षावास में मिला। श्रीमती मंजूजी काठेड़- ''गुरुवर जाना नहीं हमें छोड़ के, अँखिया हमारी दर्शन को तरसेगी।'' श्री पारसमलजी चौपड़ा- ''गुरु भगवन् ने इतना ज्ञान-ध्यान का पिटारा दिया, जिसका शब्दों से वर्णन संभव नहीं।'' श्री मूलचन्दजी भंसाली- ''प्रवचन के अन्तर्गत सुने प्रेरक वाक्यों का सुन्दर संकलन कर धर्मसभा के समक्ष उनका पठन किया ताकि उन सुविचारों से जीवन में प्रेरणा ले सकें।'' श्री उमगराजजी कांकरिया, चेन्नई- आप लब्धिधारी आचार्य है। ऐसे गुरुदेव में रखिये आस्था, मिल जायेगा सुगम रास्ता।'' सुश्री सृष्टिजी मुल्तानी- ''भगवान महावीर की अहिंसा का मंत्र इन भगवन की चरण सन्निधि में प्रत्यक्ष दृष्टिगोचर किया।'' श्री अनोपचन्दजी बाघमार, कोसाना- ''सन् 2020 का चातुर्मास व आने वाले समस्त प्रसंगों का लाभ कोसाना संघ को मिले। कोसाना संघ की ओर से आगामी चातुर्मास की विनति पूज्य आचार्य भगवन् के चरणों में रखी गई।'' श्री जितेन्द्रजी चौपड़ा- ''कियां

चुकावां गुरु रो ऋण चढ़गो, कियां भुलावां उपकार, हिवड़े री ज्योति कयां बिसरावां जी, नेणा री ज्योति कियां बिसरावांजी।'' श्रीमती कविताजी संचेती- ''सूना है ये आंगन, सूना है ये मन। गुरुवर ना जाओ, ये कहती है धड़कन।'' बालक श्री डुग्गूजी, जोधपुर- ''मेरे गुरुवर दा दरबार बड़ा सोना, दर्शन बड़ा सुहाना, मन कहता यहीं रहना।'' श्रीमती विमलेशजी हिंगड़- ''ज्ञान दिया गुरुवर ऐसा, भुलाया नहीं जा सकता। तेरे उपकार का बदला, चुकाया नहीं जा सकता।'' संरक्षक श्री चैनराजजी मेहता- ''पूज्य आचार्य भगवन्त ने इस संघ पर सदैव कृपा का वर्षण किया है, भविष्य में भी इसी तरह कृपा का वर्षण करते रहें।'' संयोजक श्री रूपकुमारजी चौपड़ा, संघाध्यक्ष श्री छगनलालजी लोढ़ा की ओर से भी मैं सभी से क्षमायाचना कर रहा हूँ। श्रीमती मीताजी मुल्तानी, जोधपुर- ''भगवन् आपने 2011 के चातुर्मास में जो अनमोल सूत्र दिये, वे आज भी मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।'' श्री हस्तीमलजी गोलेच्छा, ब्यावर- ''जिनके चरणों में बैठने से शांति, समाधि मिलती है, ऐसे धर्मगुरु, धर्माचार्य, धर्मोपदेशक, अष्ट सम्पदा सम्पन्न एक मात्र आचार्य भगवन्त पूज्य श्री हीराचन्द्रजी म.सा. है।'' श्री सम्पतराजजी धारीवाल- ''गम की बदली छाई, जुदाई लेके आई, पूनम की रात।'' श्रीमती बीनाजी मेहता, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष-श्राविका मण्डल, जोधपुर- ''सारी दुनिया में ढूंढ लिया मैंने, गुरुवर जैसा कोई नहीं। ऐसे गुरुवर के स्मरण मात्र से हर समस्या का समाधान मिल जाता है।'' श्री बुधमलजी बोहरा, चेन्नई- ''आपश्री सम्पूर्ण जैन जगत् के आचार्य हैं। पाली संघ में आई धर्म की बहार है। सुन्दर लागे आपका दरबार है।'' श्री भागचन्दजी मेहता, जोधपुर- ''गुरुदेव का दरबार दर्शनों के लिये हमेशा खुला रहता है। संघनायक के प्रति हर भाई का सेवा भाव से समर्पण हो।'' श्रद्धेय श्री योगेशमुनिजी म.सा.- ''उपकारी के उपकार पर कृतज्ञता वाले भाव सुने। सभी का श्रद्धा के साथ किया गया आभार स्वीकार करते हुए मेरी ओर से प्रवचनादि में विपरीत प्ररूपणा हुई हो तो मिच्छामि दुक्कडं। किसी कारण विशेष या प्रेरणा की भावना से कटु वचन कहने में आया हो, उससे किसी को दुःख पहुँचाया हो तो भूल जाना।

''लो हम तो करें विहार, सुनो सभी नरनार।
यहाँ से जायें, माफी आज दिलावें।''

महान् अध्यवसायी श्रद्धेय श्री महेन्द्रमुनिजी म.सा.- ''जो धर्म-साधना आराधना में चुस्त-मस्त रहता है, उसका जीवन वीर लोंकाशाह की तरह सफल हो जाता है। यहाँ भी भगवन्त के अतिशय से चार महिने चातुर्मास का समय सानन्द सम्पन्न हो गया है। गुरुदेव की साधना-आराधना स्वास्थ्य समाधि के साथ प्रवाहमान रही। प्रवास समय में किसी भी प्रसंग से कहने में, सुनाने में आया हो तो चतुर्विध संघ से क्षमायाचना। कल यहाँ से विहार की भावना है। विचरण विहार से अन्य क्षेत्रों में भी प्रभावना का प्रसंग बनेगा।

पूज्य आचार्य भगवन्त ने प्रत्याख्यान व मांगलिक फरमाये जाने की कृपा की। कोसाना संघ के पदाधिकारियों ने आगामी चातुर्मास के साथ आने वाले समस्त

प्रसंगों का लाभ कोसाना संघ को प्रदान के भाव प्रशांतमना गुरुदेव के पावन श्री चरणों में निवेदन किये। श्रीमती सोनलजी गांधी ने नौ दिवसीय तपस्या का अर्घ्य चातुर्मास समापन के प्रसंग पर प्रशांतचेता पूज्यप्रवर के चरणों में अर्पित कर भक्ति का परिचय दिया।

चातुर्मास समाप्ति पर 13 नवम्बर को प्रातः 9.00 बजे सामायिक स्वाध्याय भवन, सुराणा मार्केट से विहार फरमाकर शनैः शनै पूज्य आचार्य भगवन्त एवं संतवृद पावन श्री चरण बढ़ाते हुए महावीर नगर स्थित महावीर भवन में पधारे। विहार के समय जयघोष के स्वर समूचे मार्ग में गुंजायमान रहे। महावीर नगर में वीर धर्मसहायिका श्रीमती सौभाग्यकंवरजी के समाधिमरण पर वीर पुत्र श्री रिखबचन्दजी, अशोककुमारजी सिंघवी (पाली) समस्त परिवारजनों के साथ मांगलिक श्रवण करने आये। 16 नवम्बर को चेन्नई से तिरुवन्नामल्लै संघ विनति लेकर उपस्थित हुआ। 17 नवम्बर को वेल्लूर संघ आगामी चातुर्मास की भावना से भगवन् की चरण सन्निधि में आया। 18 नवम्बर को सायंकाल श्रद्धेय श्री अशोकमुनिजी म.सा. श्रद्धेय श्री कल्पेशमुनिजी म.सा. चातुर्मास पश्चात् जोधपुर से विहार कर पूज्य गुरुदेव की चरण सन्निधि में पधारे। श्री गौतमचन्दजी हुण्डीवाल सदस्य शासन सेवा समिति चेन्नई से हर माह की भांति इस माह भी त्रिदिवसीय सेवा सन्निधि की भावना से आराध्य भगवन् की सेवा में आये। 19 नवम्बर को पीपाड़ संघ वाले पूज्यप्रवर की सेवा में पीपाड़ शीघ्र पधारकर, उपकृत करने की भावना वाले भाव निवेदन करने आये। अखिल भारतीय स्तर पर जैन संतों की समग्र चातुर्मास सूची एवं गजेन्द्र संदेश के सम्पादक श्री बाबूलालजी उज्ज्वल मुम्बई ने अतिशय धारी पूज्य गुरुदेव की सेवा सन्निधि का लाभ लिया। 20 नवम्बर को जिनवाणी के प्रधान सम्पादक डॉ. धर्मचन्दजी जैन दर्शन-वंदन-सेवा की भावना से भगवन् की सेवा में आये। 21 नवम्बर को पूज्य आचार्य भगवन्त महावीरनगर संघ को 8 दिवसीय वीतराग वाणी वर्षण कर वहाँ से विहार फरमाकर वीर दुर्गादास नगर पधार आये। यहाँ शासनसेवा समिति के सदस्य श्री नौरतनमलजी मेहता, जोधपुर गुरु भगवन् की सेवा सन्निधि का लाभ लेने आये। 22 नवम्बर को विहार की भावना से पूज्यप्रवर पाली के ही उपनगर इण्डस्ट्रियल एरिया शनैःशनैः कदम बढ़ाते हुए पधारे। विहार का क्रम बनाये रखते हुए 23 को पूज्य गुरुदेव का फेज IV में विराजना हुआ। आज विहार के दौरान पाली के अतिरिक्त जोधपुर, चेन्नई, कुम्भकोणम, गंगापुरसिटी, माण्डल, ब्यावर आदि स्थानों से भाई-बहिनों की अच्छी उपस्थिति रही। 24 नवम्बर को महादेव चौराहा इण्डस्ट्रियल एरिया फेज से विहार फरमाकर बागड़िया रोड़ पर विश्नोईजी के यहाँ परमाराध्य पूज्य आचार्य भगवन्त का रात्रिसाधना का प्रसंग बना। स्वास्थ्य की अनुकूलता के साथ पूज्य गुरुदेव का विहार हुणागांव की ओर होने की संभावना है। आगे फिर जैसी फरसना होगी, तद्नुसार पावनश्री चरण उस ओर बढ़ने की संभावना बन सकती है।

प्रातःकालीन प्रार्थना श्रद्धेय श्री रविन्द्रमुनिजी म.सा. के द्वारा कराई जा रही हैं। प्रवचन की शृंखला में महान् अध्यवसायी श्रद्धेय श्री महेन्द्रमुनिजी म.सा. तथा जब

तक श्रद्धेय श्री योगेशमुनिजी म.सा. सन्निधि में रहे तब तक उनके द्वारा व उनके विहार कर जाने पर अब श्रद्धेय श्री विनम्रमुनिजी म.सा. फरमा रहे हैं। परम श्रद्धेय पूज्य आचार्य भगवन् स्वास्थ्य समाधि के साथ स्वाध्याय जप मौन साधना के साथ आत्मीय भावों में रमण का लक्ष्य रखते हुए हैं। जब भी मौन से उपरत होते हैं, हर आगत को सामायिक स्वाध्याय रात्रिभोजन त्याग की प्रेरणा करने का ख्याल रखते हैं। दोपहर के समय 2 से 3 के मध्य सरस व्याख्यानी श्रद्धेय श्री महेन्द्रमुनिजी म.सा. बृहत्कल्प भाष्य की वाचना विश्लेषण विवेचन सहित फरमा रहे हैं। भावना वाले श्रद्धालु भाई उभयकाल प्रतिक्रमण व संवर आराधना अनवरत कर रहे हैं। दर्शन-वंदन हेतु आने वालों का क्रम बराबर बना हुआ है। पाली संघ की आवास-प्रवास व भोजन व्यवस्था सुन्दर चल रही है। संघाध्यक्ष श्री छगनलालजी लोढ़ा हर व्यवस्था को सुनियोजित संभाले हुए हैं। प्रतिदिन प्रातः दिन के समय व सायंकालीन संभाल का बराबर ध्यान रखे हुए हैं। पाली के श्रद्धालु भाई/बहिन विहार सेवा में उपस्थित रहकर लाभ लेने का लक्ष्य रख प्रातः समय पर पूज्य गुरु भगवन् की सन्निधि में आ रहे हैं। पाली संघ सदस्यों के समयदान वाली भावना प्रमोदजन्य है।-जगदीश जैन

उपाध्यायप्रवर की पावन प्रेरणा से अपूर्व धर्माराधना

शान्त-दान्त-गम्भीर, प्रबल पुरुषार्थी उपाध्यायप्रवर पण्डित रत्न श्री मानचन्द्रजी म.सा., मधुरव्याख्यानी श्रद्धेय श्री गौतममुनिजी म.सा. आदि ठाणा 5 सामायिक स्वाध्याय भवन, शक्तिनगर, जोधपुर विराजने से सामायिक-स्वाध्याय एवं धर्माराधना का निरन्तर लाभ प्राप्त हो रहा है। नियमित रूप से प्रातःकालीन प्रार्थना, प्रवचन, दोपहर ज्ञानचर्चा, सायंकालीन प्रतिक्रमण, रात्रि में संवर की साधना में श्रावक-श्राविका उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। संत मुनिराज अपने प्रवचनों में जिनवाणी का वर्षण कर वीतराग वाणी का रसास्वादन करवा रहे हैं। प्रतिदिन प्रवचन में अच्छी उपस्थिति हैं। दिनांक 24 नवम्बर, 2019 को सामायिक-स्वाध्याय भवन, पावटा में युवक परिषद्, जोधपुर द्वारा सामूहिक सामायिक का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 250 की उपस्थिति रही। इस अवसर पर मधुरव्याख्यानी श्रद्धेय श्री गौतममुनि जी म.सा. एवं तत्त्वचिन्तक श्रद्धेय श्री प्रमोदमुनिजी म.सा. का पावन सान्निध्य भी प्राप्त हुआ। दोनों महापुरुषों ने ''दुःख का अपमान क्यूँ करूँ?'' विषय पर अपना सारगर्भित प्रवचन फरमाया। दर्शनार्थियों का आवागमन निरन्तर बना हुआ है। शक्तिनगर क्षेत्र के सभी समर्पित कार्यकर्त्ता आतिथ्य सेवा के लिए तत्पर हैं।-अशोक कोचर मेहता, संयोजक

अहमदाबाद के मणिनगर में ऐतिहासिक चातुर्मास

जिनशासन को जयवंत रखने वाले परम पूज्य आचार्य भगवंत श्री हीराचंद्र जी म.सा द्वारा निर्देशित मणिनगर चातुर्मास में विराजित सेवाभावी श्रद्धेय श्री नंदीषेण मुनि जी म.सा श्रद्धेय श्री मनीष मुनि जी म.सा आदि ठाणा 4 के सानिध्य में मणिनगर चातुर्मास में चार चांद (ज्ञान, दर्शन, चरित्र, तप) चमके।

श्रद्धेय श्री मनीषमुनि म.सा द्वारा चातुर्मास गतिशीलता हेतु ज्ञान, दर्शन, चारित्र, तप, जप, युवाशाला, प्रार्थना, प्रवचन, शास्त्र वाचन, प्रत्येक शनिवार की विशेष कक्षा, प्रत्येक शुक्रवार को श्राविका मंडल की क्लास अन्यान्य कार्यक्रम प्रेरित किये गये। जिसमें मणिनगर सहित संपूर्ण अहमदाबाद वासियों ने बढ़-चढ़कर उत्साह-उल्लास के साथ धर्म आराधना में भाग लिया।

ज्ञान के क्षेत्र में– श्रद्धेय श्री मनीषमुनि जी म.सा की सेवा में तत्त्वार्थ सूत्र की कक्षा चली जिसमें अनेक श्रावक-श्रविकाओं ने भाग लेकर तत्त्वों के गूढार्थ को सरलीकरण से समझने का सम्यग् पुरुषार्थ किया। श्री मुकेशजी वैद ने संपूर्ण तत्त्वार्थ सूत्र कंठस्थ कर एक नया इतिहास रच दिया।

इस चातुर्मास में यशवी गांग सुपुत्री श्री विरेंद्रजी गांग उम्र 8 वर्ष एवं शुभम श्रीमाल पुत्र श्री रंजीतजी श्रीमाल उम्र 15 साल ने प्रतिक्रमण सीख लिया है जो अनुमोदनीय है एवं श्री प्रसन्नराजजी श्रीमाल एवं यशा मेहता सुपुत्री श्री नरेंद्रजी मेहता एवं सौम्य मेहता सुपुत्र श्री चंद्रप्रकाश जी मेहता ने भी इस चातुर्मास में प्रतिक्रमण कंठस्थ कर लिया है।

दर्शन के क्षेत्र में– श्रद्धालु भक्तों का आवागमन निरंतर बना रहा। आगत हर सदस्यों को श्रद्धेय श्री मनीषमुनिजी म.सा ने ज्ञान और क्रियाओं से संपन्न होने की भरपूर प्रेरणा प्रदान की साथ ही आगत सदस्यों को चारों संतों ने भांति-भांति की प्रेरणा देकर भव-भ्रमण से मुक्त होकर भगवान बनने का मार्ग दिखाया।

चारित्रिक क्षेत्र में– श्रद्धेय श्री मनीषमुनिजी म. सा. द्वारा पर्युषण पर्व के 8 दिनों में 12 व्रतों की सुंदर समझाइश देकर श्रावक श्रविकाओं को व्रती बन जिनशासन में एडमिशन लेने का मिशन चलाया। शरद पूर्णिमा के प्रसंग पर रात्रि संवर की साधना एवं संवर पौषध की पर्व- प्रसंगों पर सम्यक् आराधना श्रावक श्रविकाओं में हुई।

तप के क्षेत्र में– चातुर्मास प्रारम्भ से चातुर्मास पूर्णाहुति तक निरंतर नियमित निर्बाध रूप से उपवास, एकासन, आयम्बिल, तेले की लड़ी चली जो मणिनगर संघ के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ। तपस्या के क्रम में पूरे चातुर्मास में लगभग 500 तेले, 661 एक साथ एकासन अठाई से ऊपर की 65 तपस्या हुई। श्री अरुणजी भंडारी द्वारा 91 की तपस्या की गई। तपस्या के क्षेत्र में सर्वाधिक तपस्या इस चतुर्मास में हुई। श्री प्रसन्नराजजी श्रीमाल जब से चौमासा लगा तब से लेकर चौमासे के अंतिम दिन तक कभी खाली नहीं रहे एकासन, उपवास, आयम्बिल, तेले, आदि तपस्या की।

जप के क्षेत्र में– मणिनगर महिला मंडल के द्वारा दोपहर 2:00 से 3:00 बजे तक नवकार मंत्र का जाप 4 माह तक प्रतिदिन किया गया यह भी पहली बार हुआ।

शिविर के क्षेत्र में– त्रिदिवसीय श्राविका मंडल के 2 शिविर श्रद्धेय श्री मनीष मुनि जी म.सा की सेवा में संपन्न हुए। (महावीराष्टक स्तोत्र और सामायिक सूत्र के एक एक पाठों की सुंदर विवेचना मुनि श्री के द्वारा की गई, जिसे सुनकर श्राविका मंडल आनंदित हो गया।)

प्रवचन के क्षेत्र में– श्रद्धेय श्री नंदीषेणमुनि जी म.सा के द्वारा दशवैकालिक

सूत्र के प्रारम्भ के तीन अध्ययन और पांचवें अध्ययन के प्रथम उद्देशक का विवेचन किया गया।

श्रद्धेय श्री मनीषमुनिजी म.सा. के विविध विषयों पर प्रवचन हुए जिन्हें सुनकर श्रोतागण मंत्रमुग्ध हो गये। श्रद्धेय श्री देवेंद्रमुनिजी म.सा एवं श्रद्धेय श्री दर्शनमुनिजी म.सा. ने समय-समय पर अपने भाव व्यक्त किये। दोपहर शास्त्र वाचन में दशाश्रुत स्कंध सूत्र, बृहतकल्प सूत्र व्यवहार सूत्र की वाचना संपन्न हुई।

रात्रि युवा शाला में– श्रद्धेय श्री मनीषमुनिजी म.सा के सानिध्य में जिज्ञासा समाधान कार्यक्रम रखा गया। जिसमें पूछे गये प्रश्नों का मुनि श्री ने युक्तियुक्त तार्किक समाधान देखकर सभी श्रोता गणों को भाव-विभोर कर दिया।

विशेष– (1) अंतगढ़ सूत्र का संपूर्ण मूल वाचन 1 घंटे में श्रद्धेय श्री मनीषमुनि जी म.सा. द्वारा संवत्सरी पर्व पर फरमाया गया। (2) दीपावली प्रसंग पर उत्तराध्यन सूत्र 36 अध्ययन एक साथ 2 घंटे 10 मिनट के अल्प समय में श्रद्धेय मनीषमुनिजी म.सा द्वारा फरमाया गया। (3) पर्युषण के 8 दिनों में 24 घंटे नवकार का जाप श्रावक श्रविकाओं द्वारा संपन्न किया गया। (4) शनिवार को विशेष कक्षा श्रद्धेय श्री मनीषमुनिजी म.सा द्वारा जीवन निर्माण रूप विषयों पर ली गई, जिसमें आशातीत संख्या रही।

सेवा के क्षेत्र में– अहमदाबाद श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ के प्रत्येक परिवार ने सेवा में अपना योगदान दिया विशेषकर शाहीबाग से श्री सुरेशजी बाँठिया सपरिवार, श्री प्रसन्नराजजी सपरिवार, साबरमती से श्री महावीरजी मेहता, मनिनगर से श्री अशोकजी कुम्भट, श्री सुनीलजी मेहता सपरिवार, पालड़ी से पदमचंदजी कोठारी का विशेष योगदान इस चातुर्मास मे रहा।

मणिनगर चातुर्मास का अपूर्व लाभ श्री जैन रत्न हितेषी श्रावक संघ अहमदाबाद द्वारा लिया गया।

गुजरात रत्नसंघ क्षेत्रीय श्राविका सम्मेलन का आयोजन, अखिल भारतीय संघ के पदाधिकारियों के साथ संघ सभा का आयोजन, तपस्वियों का बहुमान तथा मणिनगर संघ का स्वामी-वात्सल्य व संघ सेवा के अनेकानेक कार्यक्रम रत्न हितैषी श्रावक संघ-अहमदाबाद द्वारा सम्पन्न किये गये।

पर्युषण के 8 दिन श्री गजेन्द्रजी जयपुर द्वारा प्रतियोगिताएँ करवाई गई।

चातुर्मास समापन दिवस पर 30 वक्ताओं ने अपने भाव रखें, जिसमें महावीरजी मेहता ने चौमासे में हुए चारों महीने की गतिविधियों को बताया इसी बात से जाहिर होता है जन-जन के मन में कितना उत्साह कितना उल्लास कितना उमंग रहा। चतुर्मास संपन्न कर संत मंडल विहार रत हैं।-महावीर मेहता, अहमदाबाद

सरस्वतीनगर, जोधपुर (राज.)– व्याख्यात्री महासती श्री चन्द्रकलाजी म.सा. आदि ठाणा 5 के सरस्वतीनगर जोधपुर के चातुर्मास में आयंबिल ओली में लगभग 20 तपस्वियों ने आयंबिल और नींवी के प्रत्याख्यान लिये। ओली के अंतिम दिन सामूहिक आयंबिल एवं नींवी का कार्यक्रम रखा गया। शरद् पूर्णिमा को रात्रि में 15-15

सामायिक के कार्यक्रम में 150 श्राविकाओं ने भाग लिया। भगवान महावीर स्वामी निर्वाण कल्याणक के अवसर पर उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन किया गया, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कई श्रावक-श्राविकाओं ने एकाशन, आयंबिल, उपवास एवं बेले-तेले की तपस्या की। ज्ञान पंचमी के दिन नंदीसूत्र का वाचन किया गया। आचार्य प्रवर के 57 वें दीक्षा दिवस पर 60 श्रावक-श्राविकाओं ने सामूहिक एकाशन की आराधना की। प्रवचन के पश्चात् सामूहिक नवकार मंत्र का जाप रखवा गया। रात्रि में 50 श्राविकाओं ने 8-8 सामायिक की आराधना की। तीन श्राविकाओं के एकान्तर तप की आराधना अभी भी चल रही हैं। युवक-युवतियों ने सामायिक-प्रतिक्रमण 25 बोल सीखें। प्रवचन में उपस्थिति अच्छी रही। बाड़मेर, बालोतरा, बारनी, भोपालगढ़, जयपुर, सवाईमाधोपुर, पीपाड़ शहर, विजयनगर, बैंगलोर, पाली इत्यादि कई स्थानों से दर्शनार्थी आये। सरस्वती संघ ने आतिथ्य सेवा का अच्छा लाभ लिया।-आनन्दप्रकाश कवाड़

किलपॉक (चेन्नई)– व्याख्यानी महासती श्री इन्दुबालाजी म.सा. आदि ठाणा 10 के किलपॉक के चातुर्मास में तपस्या इस प्रकार रहीं। 61 उपवास एक, मासखमण-सोलह, 19 उपवास दो, 15 उपवास आठ, 13 उपवास पाँच, 11 उपवास इक्कीस, 9 उपवास अड़तालीस, अठाई-61, 6 उपवास पाँच, पचोला-151, एकाशन के सिद्धितप-104, शीलव्रत के प्रत्याख्यान-6, श्रावक-श्राविकाओं में गोचरी दया का आयोजन। आचार्यप्रवर के 57 वें दीक्षा-दिवस पर महासतीजी की पावन प्रेरणा से 1500 एकाशन की आराधना हुई। किलपॉक संघ में लगभग 800 श्रावक-श्राविकाओं ने सामूहिक एकाशन किया। चातुर्मास में अनेक श्रावक-श्राविकाओं एवं युवा-युवतियों ने सामायिक-प्रतिक्रमण, 25 बोल सीखें। चातुर्मासकाल में जिनशासन की पुकार नामक कक्षा का नियमित आयोजन किया गया, जिसमें अनेक विषयों को सुनकर युवा लोगों ने अपने जीवन को निर्मल बनाया। श्रावक के 21 गुणों की धर्माराधना कार्यक्रम में 100 श्रावक-श्राविकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चातुर्मास प्रारम्भ से ही पचोले की लड़ी चली। करीब 151 श्रावक-श्राविकाओं ने पचोले की आराधना की। ''आओ लोक की सैर करें'' धार्मिक प्रदर्शनी में 2000 श्रावक-श्राविकाओं ने प्रदर्शनी को देखकर जैन धर्म की जानकारी प्राप्त की। ''विंग्स टू फ्लाई'' धार्मिक संस्कार पाठशालाओं के बच्चों द्वारा लाइव दर्शन ऑफ जैनिज्म का कार्यक्रम रखवा गया, जिसको 2000 दर्शनार्थियों ने देखा। पर्युषण में आठों दिन नवकार मंत्र का जाप रखवा गया। जीवदया के क्षेत्र में जीवों को अभयदान देने हेतु सात लाख रुपये एकत्र किए गये। अखिल भारतीय श्राविका मण्डल का सम्मेलन 3 अगस्त को रखवा गया, जिसमें अनेक श्राविकाओं ने भाग लिया। शरद् पूर्णिमा के दिन रात्रि में सामूहिक सामायिक का आयोजन रखवा गया। पूरे चातुर्मास काल में संघ के सभी श्रावक-श्राविकाओं ने उत्साहपूर्वक प्रत्येक कार्यक्रम में भाग लेकर जिनशासन की गौरव गरिमा को बढ़ाया है। 10 नवम्बर को चातुर्मास का समापन समारोह रखवा गया, जिसमें अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने आचार्यप्रवर, उपाध्यायप्रवर एवं महासती मण्डल के प्रति

कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए चातुर्मास की उपलब्धियों पर अपने विचार प्रकट किये। चातुर्मास में सेवा देने वाले सभी सहयोगियों को सम्मानित किया गया। संघ अध्यक्ष श्री सुगनचन्दजी बोथरा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा मंत्री श्री ललितजी बाघमार ने चातुर्मास की रिपोर्ट प्रस्तुत की। पूरे चातुर्मासकाल में दर्शनार्थियों का आवागमन निरन्तर बना रहा। किलपॉक संघ आतिथ्य सेवा में सदैव तत्पर रहा। पूज्य महासतीजी चातुर्मास पश्चात् विहार कर चेन्नई के उपनगरों को फरस रहे हैं।

-सुगनचन्द बोथरा, अध्यक्ष

बीजापुर (कर्नाटक)– व्याख्यात्री महासती श्री नि:शल्यवतीजी म.सा. आदि ठाणा 5 के बीजापुर चातुर्मास में अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने उत्साहपूर्वक सामूहिक सामायिक एवं धर्माराधना का लाभ प्राप्त किया, जिसका विवरण इस प्रकार हैं। 6 श्रावक-श्राविकाओं ने एकाशन की आराधना की। रूपा सती बालिका मण्डल का गठन हुआ, जिसमें 23 बालिकाएँ जुड़ी। पाँच दम्पतियों ने शीलव्रत ग्रहण किया। 27 श्रावक-श्राविकाओं ने लगातार 57 दिन एकाशन किये। 47 प्रतियोगिताओं में 327 सदस्यों ने भाग लिया। श्रावक-श्राविका एवं बच्चों के पाँच शिविर हुए। चार माह प्रतिदिन एक घण्टा नवकार मंत्र का जाप हुआ। चार महिने आयंबिल एवं तेले की लड़ी चली। चार महिने प्रत्येक रविवार को बच्चों के लिए दो घण्टे का शिविर आयोजित किया गया। चार महिने प्रत्येक रविवार युवाओं के एक घण्टे की कक्षा रहीं। चारों महिनें प्रवचन में उपस्थिति बहुत अच्छी रहीं। चातुर्मास काल में 125 तेले, 7 चोले, 5 पचोले, 15 अठाई, नौ की तपस्या 4, 11 की तपस्या तीन, 15 की तपस्या दो, 11 सामायिक एवं उपवास की पचरंगी तीन बार हुई। 11 सामायिक एवं उपवास की नवरंगी एक बार हुई। दो बार नींवी व्रत की आराधना की गई जिसमें क्रमशः 40 और 225 नींवी की आराधना हुई। इसके अलावा एकाशन, उपवास एवं आयंबिल आदि की तपस्या हुई। आचार्यप्रवर के 57 वें दीक्षा-दिवस के उपलक्ष्य में 36 तेले, 1 चोला, 1 अठाई की तपस्या हुई। 108 लोगों ने चार दिन लगातार वंदना की। 15 परिवारों में से प्रत्येक परिवार ने इस अवसर पर 108 सामायिक की आराधना की। 03 नवम्बर को श्रावक-श्राविकाओं एवं बड़ी बालिकाओं का शिविर आयोजित किया गया। अनेक श्रावक-श्राविकाओं एवं युवक-युवतियों ने सामायिक, प्रतिक्रमण, 25 बोल के साथ नन्दीसूत्र, आगम एवं बड़े थोकड़े भी सीखें। पूरे चातुर्मासकाल में दर्शनार्थियों का निरन्तर आवागमन रहा। बीजापुर संघ ने आतिथ्य सेवा का लाभ लिया। शरद् पूर्णिमा के अवसर पर 50 लोगों ने 15-15 सामायिक की आराधना की। आयंबिल ओली की आराधना की गई, जिसमें भी अच्छी उपस्थिति रहीं। 20 अक्टूबर 2019 को व्यसनमुक्त दिवस मनाया गया, जिसमें 40 बालक-बालिकाओं ने अपने विचार व्यक्त किए। 30 अक्टूबर, 2019 को तीन अनाथ आश्रम में 130 बच्चों को खाद्य सामग्री वितरित करने के साथ उन्हें व्यसन मुक्ति का संकल्प कराया गया। 31 अक्टूबर, 2019 को फार्मेसी कॉलेज में व्यसनमुक्ति कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें सभी को व्यसन का त्याग कराया गया। आचार्यश्री के जीवन दर्शन पर आधारित

भजन एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन बालक-बालिकाओं के लिए अलग से एवं श्रावक-श्राविकाओं के लिए अलग से रखवा गया। इसी दिन प्रश्न मंच भी रखवा गया। 01 एवं 02 नवम्बर, 2019 को सामूहिक एकाशन एवं 11 सामायिक की आराधना की गई। व्यसनमुक्ति के 570 फार्म भरवाये गये। 11 एवं 12 नवम्बर को आयोजित आलोचना शिविर में श्रावक-श्राविकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अनेक स्थानों से दर्शनार्थियों का आवागमन निरन्तर जारी रहा। बीजापुर संघ की आतिथ्य सेवा अनुकरणीय एवं प्रशंसनीय रही। महासतीवृन्द के कर्नाटक के मध्यवर्ती क्षेत्रों को फरसते हुए हॉसपेट पधारने की संभावना है।-नितिन डी. रूणवाल

भरतपुर (राज.)– आचार्यप्रवर 1008 श्री हीराचंद्र जी म.सा. की आज्ञानुवर्तिनी सरल स्वभावी मधुर-व्याख्यात्री महासती श्री मुक्तिप्रभा जी म.सा. आदि ठाणा 4 का 2019 का ऐतिहासिक चातुर्मास सुख-साता-पूर्वक संपन्न हुआ। चातुर्मास की अवधि में पूरे 4 माह तक तपस्याओं की लडियाँ चली। महासतियाँ जी के सान्निध्य में आयंबिल का मासखमण एकासन के मासखमण व संवर के कई मासखमण हुए। राजेन्द्र नगर निवासी सुश्री अन्तिमा जी जैन ने व्रतों के मासखमण की तपस्या की जो भरतपुर क्षेत्र में पहली बार ही संपन्न हुई है अतः भरतपुर वासियों में प्रसन्नता की लहर है। चातुर्मास के दौरान महासती मण्डल के सानिध्य में शरद पूर्णिमा के दिन लगभग 70 बहिनों ने 15-15 सामायिक करने के साथ धर्म जागरण किया। भगवान महावीर के निर्वाण कल्याणक दिवस के 15 दिन पूर्व ही महासती मंडल द्वारा बड़े ही सहज और सरल शब्दों में भगवान महावीर की अंतिम देशना उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन किया गया। बच्चों में जैन धर्म के प्रति सुसंस्कार एवं दृढ आस्था पैदा करने के लिए महासतीजी की प्रेरणा से दीपावली पर्व के अवकाश पर पंच दिवसीय संस्कार शिविर का आयोजन किया गया जिसमें छोटे-छोटे बच्चों का उत्साह देखने लायक था। शिविर में बच्चों को सामायिक व प्रतिक्रमण सिखाया गया जिसमें 4-5 बच्चों द्वारा प्रतिक्रमण कंठस्थ किया गया। कुछ बच्चों व बहनों को एक साल के अन्तराल में प्रतिक्रमण पूर्ण करने का नियम करवाया गया।

ऐतिहासिक चातुर्मास के दौरान आचार्य भगवन 1008 श्री हीराचंद्र जी म.सा. के 57 वे दीक्षा दिवस के अवसर पर 5 दिवस तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें 1. जप दिवस 2.सामायिक दिवस (5-5 सामयिक) 3. संवर दिवस(लगभग-80) 4. तप दिवस(सामूहिक एकासना) 5. गुरु गुणगान के साथ दोपहर में आचार्य श्री से संबंधित प्रश्न मंच प्रतियोगिता। इन सभी कार्यक्रमों में सभी ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। इन दिवसों पर आचार्य भगवन के प्रति श्रद्धालुओं की श्रद्धा भक्ति देखने लायक थी, बडा प्रवचन हॉल भी छोटा पडने लगा था। विशेष इस दिवस पर डहरा निवासी श्री हीरालालजी के सुपुत्र श्री नीरजजी जैन ने परिवार सहित एवं जैनेतर बहिन श्रीमती सपना जी पत्नी श्री संजय जी डिगिया ने आचार्य भगवन को गुरू बनाकर गुरू भक्ति का एवं अपूर्व पुत्र श्री रविन्द्र जी जैन, समीक्षा पुत्री श्री आलोक जी जैन, नित्या पुत्री श्री नीरज जी जैन ने 1008 वंदना कर गुरूदेव के प्रति

श्रद्धा का अर्घ्य अर्पित किया। 57 वें दीक्षा दिवस के उपलक्ष्य में बहनों ने 57 संवर करने का लक्ष्य बनाया था, जिसे पूर्ण किया। चातुर्मास समाप्ति के पश्चात् भी संवर एवं लडियों का भी क्रम निरंतर चलता रहा।

चातुर्मास की विशेषता यह रही कि प्रवचनों में स्वधर्मी बंधुओं के साथ ही अजैन भाई-बंधुओं ने भी लाभ लिया। म.सा. की प्रेरणा से ही स्थानक के सामने रहने वाले अग्रवाल(मोनू) परिवार ने प्रतिदिन प्रवचन श्रवण का संकल्प किया और तपस्याओं की लडी में भी अग्रणी रहे।

चातुर्मास पूर्णाहुति पर महासती जी ने प्रेरणा दी कि 4 माह में जो बगीचा लगाया उसे हरा-भरा रखने के लिए प्रतिदिन स्थानक में आकर एक सामयिक करें अतः बासन गेट के 20-25 श्रावक-श्राविकाओं ने यह नियम लेकर गुरू हस्ती के फरमान को साकार किया।

चातुर्मास के दौरान पल्लीवाल क्षेत्र के अलावा पोरवाल क्षेत्र लुधियाना, फरीदकोट, दिल्ली, जलगाँव, जयपुर, जोधपुर, चेन्नई, पीपाड आदि क्षेत्रों के श्रद्धालुओं ने महासती मंडल के दर्शन व प्रवचन श्रवण का लाभ लिया।

चातुर्मास पूर्णाहुति पर अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्रजी जैन व श्री राहुलजी जैन ने बताया कि महासती मंडल के अथक पुरुषार्थ ने लगभग सभी घरों को फरस कर पूरे भरतपुर क्षेत्र को एक सूत्र में जोडकर रखा। यह भरतपुर वालों के लिए बहुत ही प्रमोद का विषय है। अतः हम महासतियाँजी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए आपके पुरुषार्थ की सराहना करते हैं। उसके पश्चात् 13 नवम्बर को महावीर भवन, बासन गेट से गोपालगढ स्थानक तक जैन-जैनेत्तर भाई-बहिनों ने अश्रुसिक्त नयनों से महासती मंडल को विदाई दी।-धर्मेन्द्र जैन, अध्यक्ष

जिनशासन गौरव परम श्रद्धेय आचार्यप्रवर श्री हीराचन्द्रजी म.सा. के 57 वें दीक्षा–दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न क्षेत्रों में हुई धर्माराधना का विवरण

हुबली– व्याख्यात्री महासती श्री रुचिताजी म.सा. आदि ठाणा के पावन सान्निध्य में पूज्य गुरुदेव का 57 वां दीक्षा-दिवस धर्माराधना पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर 250 एकाशन व्रत की आराधना हुई। व्यसनमुक्ति के प्रचार-प्रसार हेतु संघ द्वारा रैली निकाली गई, जिसमें लगभग 500 श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया। प्रवचन सभा में महासतीजी ने 30 से अधिक युवाओं को नशा एवं व्यसन त्याग करने का नियम दिलाया। संस्कृति कन्या मण्डल द्वारा व्यसन मुक्ति नाटिका का मंचन किया गया।

-मुकेश भण्डारी, मंत्री

सवाईमाधोपुर– रत्न संघ शिरोमणि जिनशासन गौरव पूज्य आचार्य प्रवर श्री हीराचन्द्र जी म.सा. का 57वां दीक्षा दिवस एकासन, तप त्याग पूर्वक मनाया गया। महावीर भवन में आयोजित क्षेत्रीय समारोह में आदर्श नगर, बजरिया, आवासन मण्डल, आलनपुर, महावीर नगर, शहर सवाई माधोपुर, कुस्तला, इन्द्रगढ़, सुमेरगंजमण्डी,

अलीगढ़, चौथ का बरवाड़ा, उनियारा, देई, कोटा व निकटवर्ती ग्रामों के श्रद्धालुओं द्वारा तीन- तीन सामायिक व एकासन, उपवास, आयंबिल, तेले की तपस्या की गई। पोरवाल क्षेत्र में 751 एकासन हुए। इस दिवस को सामूहिक सामायिक एकासन कर्तव्य संकल्प दिवस के रूप में श्रद्धा भक्ति उत्साह पूर्वक मनाया गया। समारोह की शुरूआत स्वाध्यायी सुश्रावक श्री कुशलचन्दजी जैन गोटेवाला द्वारा मंगलाचरण, हीराष्टक व गुरु भक्ति गान से हुई। समारोह की अध्यक्षता समाजसेवी सुश्रावक श्री सुबाहुकुमारजी जैन सर्राफ, क्षेत्रीय प्रधान ने की। माननीय श्री मनीष जी मेहता, राष्ट्रीय अध्यक्ष, अ.भा. श्री जैन रत्न युवक परिषद, श्री गौतमचन्द जी जैन, डीएसओ, श्री बुद्धिप्रकाश जी जैन कोटा पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पोरवाल संघ, श्री अमित जी हीरावत राष्ट्रीय महासचिव, युवक परिषद, श्री विकासराज जी जैन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष युवक परिषद, श्री दिलिप जी जैन, प्राचार्य आचार्य हस्ती आध्यात्मिक शिक्षण संस्थान जयपुर ने पधारकर व गुरू गुणगान कर समारोह की शोभा बढ़ाई। स्वाध्यायी श्रावक युवा रत्न श्री राकेश जी जैन सुमेरगंजमण्डी, श्री धर्मचन्द जी कुस्तला, श्री लड्डूलाल जी बराणा अलीगढ़, श्री रामपालजी देई, श्री सुरेशचन्द जी जिलाध्यक्ष भाजपा, श्री धर्मेन्द्र जी जैन-प्रिंसिपल, श्री सौभागमल जी एडवोकेट, श्रीमती शिमला जी, श्रीमती रजनी जी क्षेत्रीय प्रधान,श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल ने गुरुदेव के गुणों का वर्णन, कीर्तन, उपकार, संस्मरणों, कीर्तिमानों का बखान, भजन, स्तवन प्रस्तुत कर गुरु भक्ति की अभिव्यक्ति की। महावीर नगर संस्कार केन्द्र शिक्षार्थियों द्वारा गुरु भक्ति के भजन समवेत स्वर में प्रस्तुत किये। शिक्षार्थियों का मंच संचालक श्री कुशल जी ने पुरस्कार प्रदान कर उत्साहवर्धन किया। सामूहिक एकासन के प्रत्याख्यान सुश्रावक श्री राधेश्याम जी गोटेवाला द्वारा करवाये गये। संघ के वरिष्ठ श्रावक श्री रामदयाल जी जैन सर्राफ द्वारा सामूहिक प्रत्याख्यान मंगल पाठ पश्चात् जय घोष के साथ कार्यक्रम पूर्ण हुआ। आतिथ्य सत्कार का लाभ श्रीमती हेमलता जी धर्मसहायिका स्व. डॉ. एम.पी. जैन, डॉ. शीतलराज जी, डॉ. (श्रीमती) मिताली जी जैन सवाई माधोपुर द्वारा अहोभाव पूर्वक लिया गया। पूज्य साधु संतो के प्रत्यक्ष अवलम्बन के बिना समारोह सुन्दर व प्रभावी रूप से श्रद्धालुओं की अच्छी उपस्थिति के साथ सम्पन्न हुआ। श्रद्धालुओं की अच्छी उपस्थिति से महावीर भवन भरा हुआ था। कार्यक्रम क्रियान्वयन में श्री धर्मचन्द जी, संघ अध्यक्ष, श्री मुकेशकुमारजी संघ मंत्री, संघ सदस्यों युवक परिषद व श्राविका मण्डल पदाधिकारियो का योगदान प्रशंसनीय रहा। क्षेत्र में प्रेरणा व प्रचार की दिशा में श्री कुशल जी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्री ऋषभ जी जैन युवक परिषद क्षेत्रीय प्रधान व युवक परिषद सदस्यों का उत्साह सराहनीय रहा। समारोह आयोजन की सर्वत्र प्रशंसा रही।

शरद पूर्णिमा पर श्राविकाओं द्वारा धर्म जागरण के साथ सामायिक साधना की गई। ज्ञान पंचमी कार्तिक शुक्ला 5 शुक्रवार दिनांक 1.11.2019 को क्षेत्र में उपवास तप हुए। सामूहिक सामायिक स्वाध्याय संगोष्ठी सवाई माधोपुर, महावीर नगर, बजरिया, आवासन मण्डल, आलनपुर में चल रही हैं। साधना भवन में श्री जम्बू

कुमार जी आलनपुर द्वारा प्रार्थना पश्चात आगम स्वाध्याय अनवरत हैं। मौन एकादशी मार्गशीर्ष 11 रविवार दिनांक 8.12.2019 को मौन उपवास की साधना श्रावक श्राविकाओं द्वारा की जावेगी। भगवान पार्श्वनाथ जन्म कल्याणक पौष कृष्णा 10 शनिवार दिनांक 21.12.2019 को श्रद्धालुओं द्वारा साधना आराधना की जावेगी।

-धनसुरेश जैन

बैंगलोर– जिनशासन गौरव, परमश्रद्धेय आचार्यप्रवर श्री हीराचन्द्रजी म.सा. का 57 वां दीक्षा-दिवस एवं कर्नाटक गजकेशरी पूज्य श्री गणेशीलालजी म.सा. का 140 वां जन्मदिवस अपार श्रद्धा भक्ति के साथ तीन-तीन सामूहिक सामायिक तथा सामूहिक एकाशन के साथ मनाया गया। मंगलाचरण श्रीमती प्रभाजी गुलेच्छा ने प्रस्तुत किया। आचार्यश्री एवं गुरु गणेश की गुण महिमा के बारे में श्री पदमराजजी मेहता, श्री रमेशजी गुन्देचा, श्री निर्मलकुमारजी बम्ब, श्री तेजराजजी मुथा, श्रीमती मंजूजी भण्डारी, श्रीमती शिमलाजी गुलेच्छा, श्रीमती पूजाजी गुन्देचा, श्रीमती वैजयन्ती जी मेहता ने अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर 75 एकाशन तप की आराधना हुई। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्राविका मण्डल एवं युवक परिषद् का विशेष सहयोग रहा। सभा में करीब 100 सदस्य उपस्थित रहें। आतिथ्य सेवा का लाभ श्री निर्मलकुमारजी मनोहरलालजी बम्ब परिवार द्वारा लिया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन संघ के सहमंत्री श्री भरतकुमारजी सांखला ने किया।

-गौतमचन्द ओस्तवाल, मंत्री

जयपुर एवं जलगांव में 29 जनवरी को जैन भागवती दीक्षा

जिनशासन गौरव, व्यसनमुक्ति के प्रबल प्रेरक, परमश्रद्धेय आचार्यप्रवर 1008 श्री हीराचन्द्रजी म.सा. ने 02नवम्बर, 2019 को पाली-मारवाड़ में साध्वीप्रमुखा विदुषी महासती श्री तेजकंवरजी म.सा. के सान्निध्य में विरक्ता बहिन सुश्री दीपिकाजी मुणोत सुपुत्री श्री कुन्दनमलजी मुणोत 'भोपालगढ़ वाले' हाल मुकाम जोधपुर की जैन भागवती दीक्षा माघ शुक्ला चतुर्थी, बुधवार 29 जनवरी, 2020 को जयपुर में होने की घोषणा की। इसी तरह आचार्यप्रवर ने 11 नवम्बर को व्याख्यात्री महासती श्री विमलेशप्रभाजी जी म.सा. के सान्निध्य में अध्ययनरत विरक्ता सुश्री नीमिषाजी लुणावत सुपुत्री श्री सुनीलकुमारजी लुणावत, नरसिंगपुर की जैन भागवती दीक्षा माघ शुक्ला चतुर्थी, बुधवार 29 जनवरी, 2020 को जलगांव में होने की घोषणा की।

-धनपत सेठिया, महामंत्री

सवाईमाधोपुर में श्राविका मण्डल क्षेत्रीय सम्मेलन

अ. भा. श्री जैन रत्न श्राविका मण्डल पोरवाल क्षेत्रीय सम्मेलन दिनांक 15 दिसम्बर 2019 रविवार को शिवम् मेरिज गार्डन, आलनपुर सवाई माधोपुर में आयोजित होगा। सम्मेलन में श्राविका मण्डल की परामर्शदाता श्रीमती पूर्णिमा जी लोढ़ा जयपुर, अध्यक्ष श्रीमती मंजू जी भण्डारी, बैंगलोर, कार्याध्यक्ष श्रीमती बीना जी मेहता, जोधपुर, श्रीमती सुशीला जी भण्डारी, रायचूर एवं महासचिव श्रीमती अल्का जी दुधेड़िया, अजमेर सम्मिलित होगी। सम्मेलन में श्रीमती विमला जी जैन, जयपुर, श्रीमती

उषा जी जैन, कोटा का उद्बोधन एवं मार्गदर्शन प्राप्त होगा। श्रीमती रजनी जैन गोटेवाला क्षेत्रीय प्रधान श्राविका मण्डल, श्रीमती मोहिनी जैन आलनपुर संयोजक, श्रीमती अरूणा जैन अलीगढ़ सह संयोजक टीम भावना से सम्मेलन की तैयारी में संलग्न हैं। श्रीमती पदमा जैन अध्यक्ष, श्रीमती सुरेखा जैन मंत्री शहर सवाई माधोपुर, श्रीमती रेखा जैन अध्यक्ष, श्रीमती मंन्जू जैन मंत्री बजरिया, श्रीमती इन्द्रा जैन अध्यक्ष, श्रीमती कुमकुम जैन मंत्री महावीर नगर, श्रीमती सीमा जैन अध्यक्ष, श्रीमती सुमन जैन मंत्री आवासन मण्डल, श्रीमती रंजीता जैन कोटा, श्रीमती सुजाता जैन चौथ का बरवाड़ा, श्रीमती सुनीता जैन सुमेरगंजमण्डी, श्रीमती रेखा जैन अलीगढ़, श्रीमती दीप्ति जैन अध्यक्ष देई आयोजन की सफलता के लिए प्रयासरत हैं।

पर्युषण पर्वाराधना हेतु स्वाध्यायी आमंत्रित कीजिए

श्री स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ, जोधपुर विगत 75 से भी अधिक वर्षो से संत-सतियों के चातुर्मास से वंचित गांव/शहरों में पर्वाधिराज पर्युषण पर्व के पावन अवसर पर धर्माराधना हेतु योग्य, अनुभवी एवं विद्वान स्वाध्यायियों को बाहर गांव में भेजकर जिनशासन एवं समाज की महत्ती सेवा करता आ रहा है। इस वर्ष भी उन क्षेत्रों में जहां जैन संत-सतियों के चातुर्मास नहीं है, उन क्षेत्रों में स्वाध्यायी बन्धुओं को भेजने की व्यवस्था है। इस वर्ष पर्युषण पर्व 15 से 22 अगस्त, 2020 तक रहेंगे। अतः देश-विदेश के इच्छुक संघ के अध्यक्ष/मंत्री अपने लेटरपैड पर आवेदन पत्र दिनांक 30 जून, 2020 तक इस कार्यालय को अवश्य प्रेषित करावें। आवेदन पत्र हेतु सम्पर्क सूत्रः-**श्री स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ**, प्लॉट नं. 2, सामायिक स्वाध्याय भवन, नेहरू पार्क, सरदारपुरा, जोधपुर-342003 (राज.), फोनः 0291-2624891, 9414126279 (कार्यालय), 9460551096 (संयोजक), 9413844592 (सचिव), 9461026279 (पर्युषण संयोजक), 9462543360 (कार्यालय प्रभारी), **दक्षिण भारत हेतु सम्पर्क सूत्रः** नवरतन जी बाघमार- 9444051065 (संयोजक), सुधीर जी सुराणा- 9381540004

-सुभाष हुण्डीवाल, संयोजक

शिक्षण बोर्ड की थोकड़ों की परीक्षा 05 जनवरी को

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर द्वारा जैनागम स्तोक वारिधि (थोकड़ों की परीक्षा) कक्षा 1 से 11 तक की परीक्षा रविवार, 05 जनवरी, 2020 को दोपहर 12.30 से 3.30 बजे तक आयोजित की जायेगी।

तत्त्वज्ञान के रसिक भाई-बहिनों से विनम्र अनुरोध है कि थोकड़ों की इस परीक्षा में अवश्य भाग लें। आवेदन-पत्र, पुस्तकें, परीक्षा सम्बन्धी अन्य जानकारी के लिए सम्पर्क करें- 1. अशोक बाफना, संयोजक- 094442-70145, 2. सुभाष नाहर, सचिव- 094132-02678, 3. शिक्षण बोर्ड कार्यालय- सामायिक-स्वाध्याय भवन, नेहरु पार्क, जोधपुर-342003 (राज) 291-2630490।-सुभाष नाहर, सचिव

रत्नसंघ एप्प के बढ़ते कदम
ऑनलाईन डोनेशन सुविधा का करें प्रयोग

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ द्वारा श्री विकासजी गुंदेचा एवं उनकी टीम के सद्प्रयासों से सर्वप्रथम वेबसाईट तथा उसके बाद रत्न संघ की एप्प का निर्माण किया गया। दोनों तकनिकी साधन रत्नबंधुओं के लिए बहूपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। रत्नसंघ मोबाइल एप्प में निरन्तर नये फीचर्स एवं उपयोगी सामग्री अद्यतन की जा रही है। वर्तमान में एप्प रत्नसंघ निर्देशिका के माध्यम से देशभर के रत्नबंधुओं की जानकारी, विचरण-विहार के माध्यम से संत-सतीमण्डल के विहार स्थिति की जानकारी, जैन कैलेण्डर में पर्व-तिथियों, सूर्योदय-सूर्यास्त, चौघड़िया आदि की सटीक जानकारी प्राप्त की जा सकती है। पच्चक्खाण, सामायिक-सूत्र, प्रतिक्रमण सूत्र, पच्चीस बोल के पाठ शाब्दिक अर्थ सहित शुद्ध उच्चारण हेतु ऑडियों के साथ दिये गये हैं। जिनवाणी पत्रिका, स्वाध्याय शिक्षा, रत्नम् पत्रिकाओं के साथ ही सम्यग्ज्ञान प्रचारक मण्डल द्वारा प्रकाशित पुस्तकें तथा शिक्षण बोर्ड द्वारा प्रकाशित सभी कक्षाओं की पुस्तकें भी एप्प पर उपलब्ध है। छोटे बच्चों को संस्कारित करने हेतु महापुरुषों की कहानियां चित्र सहित इसमें उपलब्ध कराई गई हैं। विभिन्न प्रार्थनाएं भी एप्प में समाहित की गई हैं। सचित्त-अचित्त एवं शुद्ध धोवन पानी का ज्ञान भी इस एप्प के माध्यम से किया जा सकता है।

नये फीचर्स के रूप में एप्प में साधना-आराधना तथा प्रश्नमंच अद्यतन किये जा चुके हैं। साधना-आराधना के अन्तर्गत हमने प्रतिदिन कितनी सामायिक की, किन-किन चीजों का त्याग किया, कौन-कौनसे व्रत ग्रहण किये, कौनसी तपस्या की, आदि जानकारी डालकर साप्ताहिक, मासिक, वार्षिक अथवा वांछित अवधि की रिपोर्ट प्राप्त कर सकते हैं। एप्प में सामायिक-सूत्र, प्रतिक्रमण सूत्र, पच्चीस बोल के साथ ही शिक्षण बोर्ड की कक्षानुसार क्वीज तैयार किये गये हैं, जिसमें भाग लेकर परीक्षा की तैयारी की जा सकती है।

प्रातः स्मरणीय सामायिक स्वाध्याय के प्रबल प्रेरक पूज्य गुरुदेव श्री हस्तीमलजी म.सा. की 99वीं दीक्षा जयन्ती के पावन प्रसंग पर माघ शुक्ला द्वितीया दिनांक 06.02.2019 को एप्प में ऑन लाईन डोनेशन की सुविधा प्रारम्भ की गई। एप्प में अर्थ सहयोग फीचर्स कार्यक्रम प्रारम्भ के प्रथम दिन ही संघ सदस्यों से 1 लाख 86 हजार रुपए की राशि प्राप्त हुई। इस सुविधा से एप्प के माध्यम से आपकी जब इच्छा हो तब आप संघ को सहयोग राशि सरलता पूर्वक भेजकर ऑन लाईन ही राशि की रसीद प्राप्त कर सकते हैं। सभी संघ सदस्यों से निवेदन है कि अपने घर में उपस्थित जन्म दिवस, शादी की वर्षगांठ जैसे मंगल कार्यक्रम तथा पुण्य दिवस एवं शोकादि प्रसंगों पर संघ को अवश्य याद करें। आपका उदारता पूर्वक सहयोग संघ को सक्षम एवं स्वावलम्बी बनाने में सहयोगी होगा। आप द्वारा प्रदत्त राशि पर आप '80 जी' की सुविधा भी प्राप्त कर सकते है।

एप्प के सभी फीचर्स को प्रयोग में लेने हेतु कई एनिमेशन विडियों भी

वॉट्सअप् के माध्यम से भेजी जा रही है। एप्प की बहुउपयोगिता हम सभी के प्रयोग पर निर्भर करती है। सभी रत्न बन्धु स्वयं तो इस एप्प का अधिकाधिक उपयोग करें ही साथ ही अपने सम्पर्क में आने वाले रत्नबंधुओं को भी इसकी महत्ता समझाये। प्रत्येक रत्न-परिवारों के सदस्यों के मोबाइल में यह एप्प अवश्य डाउनलोड हो, ऐसा प्रयास अपेक्षित है। -धनपत सेठिया, संघ महामंत्री

संघ–सेवा सोपान में सहयोग दीजिए

संघ-सेवा, कर्म-निर्जरा का कारण है, इसलिए प्रत्येक सदस्य का कर्त्तव्य है कि वह तन-मन-धन और समर्पित भाव से संघ-सेवा में उत्तरोत्तर प्रगति करे। संघ अपनी सहयोगी संस्थाओं और शाखाओं के माध्यम से प्रत्येक संघ सदस्य तक पहुँचने के उद्देश्य के साथ ही ज्ञान-दर्शन चारित्र की अभिवृद्धि, स्वधर्मी-वात्सल्य एवं संघ-संगठन के कार्य में निरन्तर गतिशील है। प्रत्येक परिवार संघ के विकास और उद्देश्यों की पूर्ति में तन-मन-धन से यथाशक्ति योगदान करें, इस पुनीत लक्ष्य से संघ ने संघ-सेवा सोपान योजना प्रारम्भ की है। संघ-सेवा सोपान योजना के अन्तर्गत संघ के कार्यों के चहुँमुखी विकास हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान करने के लिए दीर्घकालीन योजना का प्रारूप संघ-कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। आप संघ एवं संघीय संस्थाओं द्वारा संचालित प्रवृत्तियों के कुशल संचालन के लिए संघ द्वारा प्रस्तावित विभिन्न श्रेणियों का अवलोकन कर संघ के सहयोगी बनने का लक्ष्य रखें। दानदाताओं के नाम समाचार पत्र रत्नम् में प्रकाशित किये जायेंगे। आपका सहयोग संघ का आधार है। आपके सहयोग, सुझाव एवं मार्गदर्शन से संघ चहुँमुखी विकास एवं प्रगति करेगा, ऐसा विनम्र विश्वास है।-बसंत जैन, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

जनगणना अभियान से जुड़े

सरकारी आंकड़ों के अनुसार हमारे जैन समाज की जनसंख्या निम्न प्रकार से दिखाई गई हैं:-

1981	32 लाख	1991	34 लाख
2001	42 लाख	2011	45 लाख

यह आम धारणा और चर्चा है कि हमारी वास्तविक जनसंख्या उपर्युक्त आंकड़ों से कहीं ज्यादा है। किसी समाज की सही जनगणना का आंकलन अनेक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है। सरकार और नीति निर्धारक विभिन्न योजनाओं का निर्धारण और फैसले लेते समय हर समुदाय की जनगणना को विशेष महत्त्व देते हैं।

हमारी कम जनगणना दिखाने का एक बड़ा कारण यह है कि जनगणना के समय हम अपने नाम के साथ गौत्र का प्रयोग करते हैं जैन संज्ञा का नहीं! दूसरा एक और कारण यह है कि हम धर्म के 'कॉलम' में अपने को 'हिन्दु' लिखवा देते हैं। धर्म तो हमारा जैन है। इसलिए यह प्रेरणा देनी है कि सभी बंधु अपने नाम के साथ जैन संज्ञा का प्रयोग करें और धर्म के कॉलम में जैन लिखे। ऐसी प्रेरणा हम सबसे करे।

सन् 2021 में राष्ट्रव्यापी जनगणना होगी। इस प्रक्रिया की शुरुआत 2020 में हो जायेगी। इसलिए हमें अपने समाज की सही जनगणना की जानकारी के लिए राष्ट्रव्यापी जन जागरण करना होगा। ताकि हमें अपने समाज की सही जनगणना की जानकारी प्राप्त हो सके।-सम्पादक

अ. भा. श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ को प्राप्त साभार

50000/- श्री विपुलजी, विमलाजी, प्रमिलाजी, पायलजी, विनयजी, सचिनजी, रतिजी, वर्षाजी, आशीषजी, मान्याजी डाबरिया, सूरत, जीवदया हेतु।

2100/- श्री विकासजी, जोधपुर, संघ सहायता।

1000/- श्रीमती हेमलताजी सांखला, मुम्बई, साहित्य सहयोग हेतु।

श्री स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघ, जोधपुर को प्राप्त साभार

20,000/- श्री प्रसन्नचन्दजी, पुनवानचन्दजी, हस्तीमलजी, लीलमचन्दजी, शांतिलालजी, प्रशांतजी, पंकजजी, मोहितजी, शुभमरतनजी, ऋषभजी ओस्तवाल, जोधपुर, संघसेवी, संत-सेवी, उदारमना, सुश्राविका श्रीमती सायरकंवरजी धर्मसहायिका स्व. श्री सूरजमलजी ओस्तवाल भोपालगढ़ वालों का 24 अक्टूबर, 2019 को स्वर्गवास होने पर उनकी पावन स्मृति में।

2100/- श्री सुरेशकुमारजी हींगड़ सुपुत्र स्व. श्री सोहनलालजी हींगड़ ''पंहुना वाले'' हॉल निवासी चेन्नई, के नौ उपवास के प्रत्याख्यान के उपलक्ष्य में।

1100/- श्री भागचन्दजी, सुरेन्द्रजी, कमलेशजी जैन, जयपुर, पूज्य पिताश्री श्री महावीरप्रसादजी जैन का 29 अक्टूबर, 2019 को स्वर्गवास होने पर उनकी पावन स्मृति में भेंट।

अ. भा. श्री जैन रत्न आ. शिक्षणबोर्ड को प्राप्त साभार

20,000/- श्री प्रसन्नचन्दजी, पुनवानचन्दजी, हस्तीमलजी, लीलमचन्दजी, शांतिलालजी, प्रशांतजी, पंकजजी, मोहितजी, शुभमरतनजी, ऋषभजी ओस्तवाल, जोधपुर, संघसेवी, संत-सेवी, उदारमना, सुश्राविका श्रीमती सायरकंवरजी धर्मसहायिका स्व. श्री सूरजमलजी ओस्तवाल भोपालगढ़ वालों का 24 अक्टूबर, 2019 को स्वर्गवास होने पर उनकी पावन स्मृति में।

15000/- श्री सुरेशकुमारजी हींगड़ सुपुत्र स्व. श्री सोहनलालजी हींगड़ ''पंहुना वाले'' हॉल निवासी चेन्नई, के नौ उपवास के प्रत्याख्यान के उपलक्ष्य में पुस्तक प्रकाशन हेतु।

4200/- श्री संजय हरकचन्दजी वोरा, धुलिया, सहयोगार्थ।

1100/-श्री दिलखुशराजजी जैन, गोरेगाँव-मुम्बई, अक्टूबर-2019 हेतु सहयोगार्थ।

अ.भा. श्री जैन रत्न आ. संस्कार केन्द्र को प्राप्त साभार

20,000/-श्री प्रसन्नचन्दजी, पुनवानचन्दजी, हस्तीमलजी, लीलमचन्दजी,

शांतिलालजी, प्रशांतजी, पंकजजी, मोहितजी, शुभमरतनजी, ऋषभजी ओस्तवाल, जोधपुर, संघसेवी, संत-सेवी, उदारमना, सुश्राविका श्रीमती सायरकंवरजी धर्मसहायिका स्व. श्री सूरजमलजी ओस्तवाल भोपालगढ़ वालों का 24 अक्टूबर, 2019 को स्वर्गवास होने पर उनकी पावन स्मृति में।

8500/- श्री प्रवीण कुमारजी, पदमा जी, मनोज जी, शैलेष जी, रक्षिता जी, सिद्धार्थ जी संकलेचा, कुम्भकोणम, चैन्नई, पूज्य मातुश्री श्रीमती सुशीला जी संकलेचा की पावन स्मृति में।

गजेन्द्रनिधि द्वारा आचार्य हस्ती स्कॉलरशिप फण्ड

(अखिल भारतीय श्री जैन रत्न युवक परिषद् द्वारा क्रियान्वित)

24000/-श्री श्रीपालजी सुराणा, चेन्नई, सहयोगार्थ।

20000/- श्री सोहनराजजी, कुशलचन्दजी, हेमन्तजी बाघमार, कोयम्बटूर।

12000/- श्री प्रकाशचन्दजी, विकासजी मेहता, अजमेर, सहयोगार्थ।

12000/- श्री प्रकाशचन्दजी, पंकजजी बाफना, अजमेर, सहयोगार्थ।

आगामी पर्व

मार्गशीष शुक्ला 8	बुधवार	04.12.2019	अष्टमी
मार्गशीष शुक्ला 11	रविवार	08.12.2019	मौन एकादशी
मार्गशीष शुक्ला 14	बुधवार	11.12.2019	चतुर्दशी एवं पक्खी पर्व
पौष कृष्णा 8	गुरुवार	19.12.2019	अष्टमी
पौष कृष्णा 10	शनिवार	21.12.2019	भगवान पार्श्वनाथ जन्म-कल्याणक
पौष कृष्णा 14	बुधवार	25.12.2019	चतुर्दशी
पौष कृष्णा 30	गुरुवार	26.12.2019	पक्खी पर्व
पौष शुक्ला 8	शुक्रवार	03.01.2020	अष्टमी
पौष शुक्ला 14	गुरुवार	09.01.2020	आचार्य भगवन्त पूज्य श्री हस्तीमलजी म. सा. का 110वां जन्मदिवस

नम्र निवेदन

हाल ही की जानकारी में कुछ ऐसे मामले आये हैं जिनमें अनजान लोग फोन करके संघ के पदाधिकारियों, विशिष्ट लोगों आदि का नाम लेकर सहायता करने को एकाउण्ट में पैसा डालने को कह रहे हैं। सहायता वास्तविकता, पात्रता देखकर करनी उचित होती है। प्रभावशाली लोगों का नाम लेकर आपकी भावनाओं से खेल कर कहीं कोई आपको नुकसान न पहुँचा दे। अतः बढ़ते साइबर क्राइम के माहौल में हम आपको जागरूक रहने की सलाह देते हैं। आप ऐसी किसी भी कॉल की जानकारी तुरन्त संघ के प्रधान कार्यालय को सूचित करें, ताकि वास्तविकता का पता लगाया जा सके।

-धनपत सेठिया, महामंत्री

आत्मीय निवेदन

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ द्वारा प्रकाशित ''रत्नम्'' मासिक पत्र नियमित रूप से आप सभी संघ सदस्यों को प्रेषित किया जा रहा है। रत्नसंघ से सम्बन्धित समाचारों का प्रकाशन करना इस पत्रिका का उद्देश्य है। इस पत्रिका को व्यवस्थित रूप प्रदान करने के लिए आप सभी महानुभावों के सुझाव सादर आमन्त्रित हैं।

संघ एवं संघ की सहयोगी संस्थाओं के समाचार प्रकाशन के साथ संघ की भावना है कि हमारी संघ की सभी शाखाओं एवं सभी क्षेत्रों में आयोजित ज्ञान-दर्शन-चारित्र-तप की अभिवृद्धि रूप धार्मिक अनुष्ठानों तथा सामाजिक, नैतिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों की रिपोर्ट रत्नम् में प्रकाशित हो। अतः आप सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं संघ सदस्यों से विनम्र निवेदन है कि आपके यहाँ सम्पन्न होने वाले कार्यक्रमों की रिपोर्ट प्रत्येक माह की 20 तारीख तक संघ कार्यालय को अवश्य प्रेषित करावें। इसके पश्चात् आने वाले समाचारों को अगले अंक में स्थान दिया जायेगा।

देशभर में सभी रत्नसंघ परिवारों में यह पत्रिका पहुँचें, ऐसी संघ की भावना है। अतः आपके ध्यान में ऐसे संघ सदस्य, जिनको अभी तक यह पत्रिका प्राप्त नहीं हो रही है, उनके नाम एवं पते आप संघ कार्यालय करावें। उपरोक्त सभी जानकारी आप मुझे 94610-26279 (व्हाट्स एप्प) पर भी प्रेषित कर सकते हैं।

-प्रकाश सालेचा, सम्पादक

BOOK PACKETS CONTAINING PERIODICALS Value of Periodical From Rs.1/- to Rs.20/- For First 100 gms or part thereof Rs. 2/-

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक धनपत सेठिया द्वारा अ.भा. श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, नेहरु पार्क, जोधपुर (राज.) से प्रकाशित, सम्पादक-प्रकाश सालेचा एवं इण्डियन मैप सर्विस, सेक्टर-जी, राममन्दिर के पास, शास्त्रीनगर, जोधपुर से मुद्रित

Contact No. 0291-2636763, 94610-26279 (WhatsApp)
Website- www.ratnasangh.com, Email : absjrhssangh@gmail.com

इस अंक का सौजन्य- गुरुभक्त संघनिष्ठ श्री कनकराज जी महेन्द्र जी कुम्भट-जोधपुर, मुम्बई